# VI. बाह्य क्षेत्र

भारत की भुगतान संतुलन की स्थिति वर्ष 2006-07 के दौरान अब तक सहज रही है। वस्तुओं के निर्यात में अप्रैल-सितंबर 2006 के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है हालांकि यह वृद्धि पिछले वर्ष से कम रही है। तेल से इतर आयात की वृद्धि में तेजी से गिरावट हुई है जिसकी कुछ वजह चांदी और सोने के आयात में गिरावट रही है। पूंजीगत माल के आयात में वृद्धि हुई है क्योंकि निवेश मांग अधिक थी, यद्यपि बड़े आधार पर उनमें भी थोड़ी गिरावट हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ने से तेल का भारी मात्रा में आयात बना रहा। अदृश्य की अधिशेष स्थिति 2006-07 की पहली तिमाही में तेज़ बनी रही जो सॉफ्टवेयर एवं अन्य कारोबारी सेवाओं के निर्यात, निजी धनप्रेषण से थी और उससे दो-तिहाई व्यापार घाटे का वित्तपोषण किया जा सका। वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही में चालू खाते का घाटा पिछले वर्ष से अधिक था जो व्यापार घाटा अधिक होना दर्शाता है। इस अधिक चालू खाता घाटे का वित्त पोषण वर्ष 2006-07 के दौरान अब तक पूंजीगत प्रवाहों द्वारा आसानी से किया जाता रहा है। वर्ष 2006-07 के दौरान (20 अक्तूबर 2006 तक) विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 14.5 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

### *अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां*

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विकास की गति वर्ष 2006 की पहली छमाही के दौरान तेज़ रही और अनेक देशों में और भी नियंत्रित हुई है। ओईसीडी देशों में वर्ष 2006 की पहली दो तिमाहियों में विकास की दर तीन प्रतिशत से अधिक रही है जो वर्ष 2005 की इसी अवधि में 2.4-2.5 प्रतिशत से कहीं अधिक थी। विकास की दर पहली तिमाही में अमरीका में अधिक रही। दूसरी तिमाही में इसमें थोड़ी कमी हुई और यह संभावना है कि 2006 की दूसरी छमाही में इसमें थोड़ा और कमी आ सकती है क्योंकि आवासीय बाज़ार में मंदी की हवा है। यूरो क्षेत्र में, आर्थिक विस्तार ने और भी ज़ोर पकड़ लिया है; जापान की अर्थव्यवस्था में विस्तार निरंतर हो रहा है। उभरते बाज़ार की अर्थव्यवस्थाओं में विकास की दर तीव्र रही है जैसे चीन, जहां विकास की दर की गति और तेज़ हुई है जो पूर्व के अनुमानों से अधिक है (सारणी 43)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि विश्व में आर्थिक विकास की दर (क्रय शक्ति पैरिटी के आधार पर विनिमय दर का प्रयोग करते हुए) वर्ष 2005 के 4.9 प्रतिशतसे बढ़कर वर्ष 2006 में 5.1 प्रतिशत हो जाएगी, विकास की दर वर्ष 2007 में मामूली-सी कम होकर 4.9 प्रतिशत हो जाएगी किंतु फिर भी दीर्घकालीन औसत से अधिक

**सारणी 43 : वृद्धि दरें - वैश्विक परिदृश्य**

(प्रतिशत)

| देश | 2004 | 2005 | 2006पी | 2007पी | 2005 1 ति. | 2005 2 ति. | 2005 3 ति. | 2005 4 ति. | 2006 1 ति. | 2006 2 ति. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| **आधुनिक अर्थव्यवस्था** | | | | | | | | | | |
| यूरो क्षेत्र | 2.1 | 1.3 | 2.4 | 2.0 | 1.5 | 1.5 | 1.6 | 1.7 | 1.9 | 2.4 |
| जापान | 2.3 | 2.6 | 2.7 | 2.1 | 1.4 | 2.6 | 2.8 | 3.7 | 3.6 | 2.5 |
| कोरिया | 4.7 | 4.0 | 5.0 | 4.3 | 2.7 | 3.2 | 4.5 | 5.3 | 6.1 | 5.3 |
| यूके | 3.3 | 1.9 | 2.7 | 2.7 | 1.9 | 1.7 | 1.9 | 1.8 | 2.2 | 2.6 |
| अमरीका | 3.9 | 3.2 | 3.4 | 2.9 | 3.3 | 3.1 | 3.4 | 3.1 | 3.7 | 3.5 |
| ओईसीडी देश | 3.2 | 2.6 | 3.1 | 2.9 | 2.4 | 2.5 | 2.8 | 2.9 | 3.3 | 3.1 |
| **उभरती अर्थव्यवस्था** | | | | | | | | | | |
| अर्जेंटीना | 9.0 | 9.2 | 8.0 | 6.0 | 8.0 | 10.1 | 9.2 | 9.1 | 8.6 | 7.9 |
| ब्राजील | 4.9 | 2.3 | 3.6 | 4.0 | 2.6 | 3.8 | 0.7 | 1.3 | 3.0 | 1.2 |
| चीन | 10.1 | 10.2 | 10.0 | 10.0 | 9.4 | 9.5 | 9.4 | 9.9 | 10.2 | 11.3 |
| भारत | 7.5 * | 8.4 # | 8.3 | 7.3 | 8.6 | 8.5 | 8.4 | 7.5 | 9.3 | 8.9 |
| इंडोनेशिया | 5.1 | 5.6 | 5.2 | 6.0 | 6.3 | 5.6 | 5.6 | 4.9 | 4.7 | 5.2 |
| मलेशिया | 7.2 | 5.2 | 5.5 | 5.8 | 5.7 | 4.1 | 5.3 | 5.2 | 5.5 | 5.9 |
| रशिया | 7.2 | 6.4 | 6.5 | 6.5 | 5.0 | 5.7 | 6.6 | 7.9 | 5.4 | 7.4 |
| थायलैंड | 6.2 | 4.5 | 4.5 | 5.0 | 3.2 | 4.6 | 5.4 | 4.7 | 6.1 | 4.9 |

* : वित्तीय वर्ष 2004-05 # : वित्तीय वर्ष 2005-06 पी : आईएमएफ अनुमान।

**स्रोत :** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष; द इकोनॉमिस्ट और ओईसीडी

रहेगी। हालांकि विकास की संभावनाओं के प्रति अनेक जोखिम मौजूद हैं जो कच्चे तेल की कीमतों, बड़े पैमाने पर समष्टि आर्थिक असंतुलन और बढ़ते संरक्षण की प्रवृत्ति से पैदा हो सकते हैं।

वर्ष 2006 के दौरान उभरती हुई एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में परस्पर शुद्ध निजी पूंजीगत प्रवाह की मात्रा अत्यधिक बनी रहने की संभावना है जिसका कारण है सीधे-सीधे किए गए निवेश की मात्रा अधिक रही है जो निजीकरण तथा सीमा पार देशों में विलय और अधिग्रहण की वजह से हुआ है जिसका आंशिक समायोजन (ऑफसेट) निवेश संविभाग के अंतर्गत बहिर्वाह द्वारा किया गया है (सारणी 44)।

विश्व व्यापार वर्ष 2006 के दौरान अब तक काफी तेज़ गति से बढ़ा है, हालांकि इसके विस्तार की गति में थोड़ा गिरावट रही है। जनवरी-जून 2006 के दौरान विकासशील देशों के निर्यात में वृद्धि (16.5 प्रतिशत) औद्योगिक देशों के निर्यात (10.0 प्रतिशत) से अधिक रही है (सारणी 45)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार विश्व व्यापार की मात्रा वर्ष 2007 में कम होकर 7.6 प्रतिशत होने से पूर्व वर्ष 2005 के 7.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2006 में 8.9 प्रतिशत हो जाएगी।

### सारणी 45: निर्यात में वृद्धि - वैश्विक परिदृश्य

(प्रतिशत)

| क्षेत्र/देश | 2005 | 2005 | 2006 |
|---|---|---|---|
| | | जनवरी-जुलाई | |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| **विश्व** | **13.9** | **16.0 *** | **12.7 *** |
| **औद्योगिक देश** | **8.5** | **11.1 *** | **10.0 *** |
| अमरीका | 10.8 | 10.4 | 13.9 |
| फ्रान्स | 3.5 | 7.0 | 9.0 |
| जर्मनी | 7.3 | 9.2 | 9.5 |
| जापान | 5.2 | 6.3 * | 8.3 * |
| **विकासशील देश** | **21.8** | **23.4 *** | **16.5 *** |
| **तेल से इतर विकासशील देश** | **19.1** | **20.9 *** | **18.4 *** |
| चीन | 28.4 | 32.6 * | 25.2 * |
| भारत | 29.9 | 33.6@ | 20.3@ |
| इंडोनेशिया | 18.2 | 23.8 | 16.2 |
| कोरिया | 12.0 | 10.7 | 13.5 |
| मलेशिया | 12.0 | 10.7 | 14.7 |
| सिंगापुर | 15.6 | 27.2 # | 21.6 # |
| थाईलैंड | 14.4 | 13.0 | 19.1 |

* : जनवरी-फरवरी @ : जनवरी-सितंबर # : जनवरी-अगस्त

**स्रोत :** अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सांख्यिकी, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, अक्तूबर 2006 और डी जी सी आइ एंड एस

## *वस्तु व्यापार*

भारत के वस्तु व्यापार में 2006-07 के दौरान अब तक अत्यधिक वृद्धि हुई है, हालांकि कहीं-कहीं थोड़ी गिरावट रही है। वाणिज्य आसूचना और सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआइ एंड एस) द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार निर्यात में (अमरीकी डॉलर में) अप्रैल-सितंबर 2006 के दौरान 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि वर्ष 2005 की इसी अवधि में यह वृद्धि 34 प्रतिशत थी (चार्ट 51)।

प्रमुख पण्य समूह में, प्राथमिक उत्पादों तथा निर्मित वस्तुओं के निर्यात में गिरावट पाई गई है जबकि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में अप्रैल-जून

### सारणी 44 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक - वैश्विक

| मद | 2001 | 2002 | 2003 | 2004 | 2005 | 2006 पी | 2007 पी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| **I. वैश्विक आउटपुट (प्रतिशत परिवर्तन) #** | 2.6<br>(1.5) | 3.1<br>(1.8) | 4.1<br>(2.7) | 5.3<br>(3.9) | 4.9<br>(3.4) | 5.1<br>(3.8) | 4.9<br>(3.5) |
| i) विकसित अर्थव्यवस्थाएं | 1.2 | 1.5 | 1.9 | 3.2 | 2.6 | 3.1 | 2.7 |
| ii) अन्य उभरतें बाजार और विकासशील देश | 4.4 | 5.1 | 6.7 | 7.7 | 7.4 | 7.3 | 7.2 |
| जिनमें से : विकासशील एशिया | 6.1 | 7.0 | 8.4 | 8.8 | 9.0 | 8.7 | 8.6 |
| **II. निवल पूंजी प्रवाह * (बिलियन अमरीकी डॉलर)** | | | | | | | |
| i) निवल निजी पूंजी प्रवाह (क + ख + ग) | 64.6 | 77.3 | 165.6 | 205.9 | 238.5 | 211.4 | 182.2 |
| क) निवल निजी प्रत्यक्ष निवेश | 179.4 | 150.6 | 159.1 | 176.9 | 255.9 | 263.3 | 246.1 |
| ख)निवल निजी संविभागीय निवेश | -78.2 | -91.7 | -10.9 | 13.9 | 3.2 | -31.1 | -4.6 |
| ग) निवल अन्य निजी पूंजी प्रवाह | -36.6 | 18.4 | 17.3 | 15.1 | -20.6 | -20.8 | -59.2 |
| ii) निवल सरकारी प्रवाह | -3.3 | -4.3 | -53.1 | -64.7 | -151.8 | -238.7 | -174.1 |
| **III. वैश्विक व्यापार @** | | | | | | | |
| i) मात्रा | – | 3.4 | 5.3 | 10.6 | 7.4 | 8.9 | 7.6 |
| ii) मूल्य अपस्फीति (अमरीकी डॉलर) | -3.2 | 1.2 | 10.5 | 9.7 | 5.4 | 4.6 | 2.2 |

पी : आइएमएफ अनुमान।
\# : वृद्धि दरें क्रय शक्ति समानता पर विनिमय दरों पर आधारित हैं। कोष्ठकों के आंकड़े बाजार विनिमय दरों पर वृद्धि दरें हैं।
* : उभरते बाजार और विकासशील देशों की ओर निवल पूंजी प्रवाह।
@ : सामान और सेवाओं के वैश्विक निर्यात और आयात के वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन का औसत।
**स्रोत :** वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, आइएमएफ, सितंबर 2006।

चार्ट 51 : भारत का पण्य निर्यात

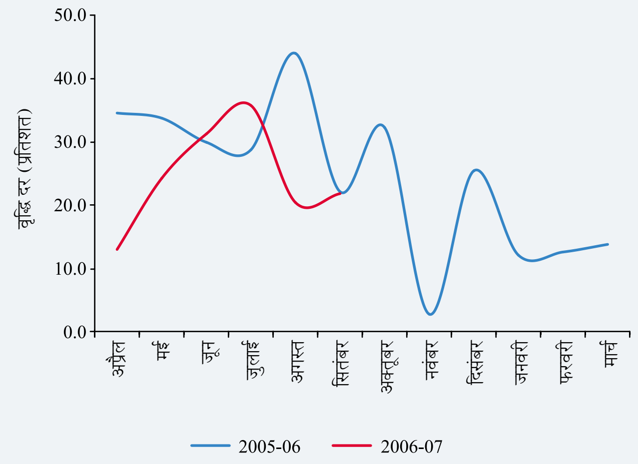


2006 में अत्यधिक तेजी रही है प्राथमिक उत्पादों में, कृषि और उससे संबद्ध उत्पादों, जैसे, कपास, तंबाकू, मसाला, चीनी और चाशनी के निर्यात में तेजी रही। निर्मित वस्तुओं में, जैसे, इंजीनियरिंग सामान, बेसिक रसायन एवं औषध उत्पाद, तथा रेडीमेड वस्त्रों के निर्यात में तीव्र वृद्धि हुई है, हालांकि इनके विस्तार में थोड़ी नरमी बनी रही है। निर्मित वस्तुओं के निर्यात में हुई वृद्धि में इंजीनियरिंग वस्तुओं का प्रमुख हाथ रहा है। मशीनरी और उपकरण, तथा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में तीव्र वृद्धि हुई है क्योंकि आयात करने वाले प्रमुख देशों से इनकी मांग अत्यधिक रही है। हीरे और जवाहरात के निर्यात में अप्रैल-जून 2006 में तीव्र गिरावट हुई है। दूसरी ओर, पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात में तेजी हुई है जो यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में तेल की कीमतों और मात्रा में वृद्धि हुई है। पीओएल निर्यात में अमरीकी डॉलर में 99 प्रतिशत की वृद्धि (मात्रा में 49 प्रतिशत) हुई है जो अप्रैल-जून 2006 के दौरान किए गए कुल निर्यात में वृद्धि का 39 प्रतिशत है (सारणी 46)। पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर किए गए निर्यात में अप्रैल-जून 2006 के दौरान 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी (पिछले वर्ष 32 प्रतिशत) हुई है।

गंतव्यवार देखें तो, भारत के लिए अप्रैल-जून 2006 के दौरान अमरीका, संयुक्त अरब अमीरात और चीन सबसे बड़े निर्यात बाज़ार थे (चार्ट 52)। ओपेक देशों के निर्यात में अप्रैल-जून 2006 के दौरान 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अमरीका को किए गए निर्यात, जो भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है, ने निर्यात-वृद्धि की गति को बनाए रखा, जबकि चीन को किए गए निर्यात की वृद्धि में थोड़ी गिरावट पैदा हुई है।

चार्ट 52 : भारतीय निर्यातों के गंतव्य

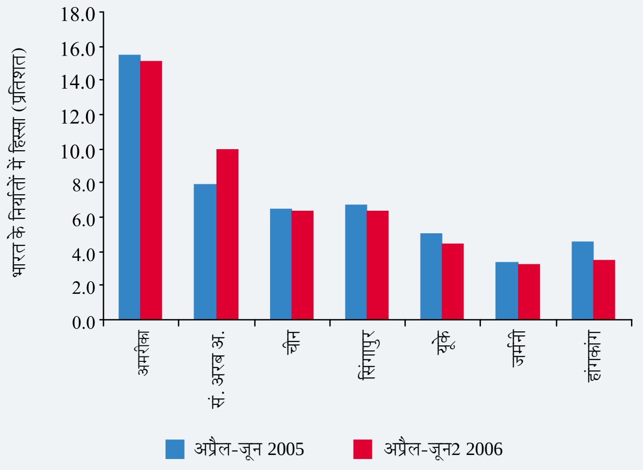


सारणी 47 : प्रमुख पण्यों का निर्यात

| पण्य समूह | बिलियन अमरीकी डालर | | | घटबढ़ (प्रतिशत) | |
|---|---|---|---|---|---|
| | 2005-06 | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 |
| | | अप्रैल-जून | | अप्रैल-जून | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| **1. प्राथमिक उत्पाद** | **16.4** | **3.7** | **4.4** | **35.0** | **17.0** |
| *जिसमें से :* | | | | | |
| (क) कृषि एवं कृषिजन्य उत्पाद | 10.2 | 2.3 | 2.7 | 17.1 | 20.5 |
| (ख) खनिज एवं लवण | 6.2 | 1.4 | 1.6 | 77.9 | 11.4 |
| **2. विनिर्मित उत्पाद** | **71.8** | **16.8** | **19.4** | **31.5** | **15.1** |
| *जिसमें से :* | | | | | |
| (क) रसायन एवं संबद्ध उत्पाद | 14.5 | 3.4 | 3.9 | 28.2 | 15.8 |
| (ख) इंजीनियरिंग के समान | 21.5 | 5.1 | 6.6 | 49.7 | 29.1 |
| (ग) वस्त्र एवं वस्त्र निर्मित उत्पाद | 16.0 | 3.8 | 4.3 | 21.2 | 13.3 |
| (घ) रत्न एवं आभूषण | 15.5 | 3.5 | 3.5 | 26.4 | 0.6 |
| **3. पेट्रोलियम उत्पाद** | **11.5** | **2.1** | **4.3** | **61.7** | **99.2** |
| **4. कुल निर्यात** | **102.7** | **23.5** | **29.0** | **34.5** | **23.4** |

**स्रोत :** वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय।

अप्रैल-सितंबर 2006 के दौरान तेल का आयात बढ़ जाने के बावजूद आयात वृद्धि में नरमी रही है। अप्रैल-सितंबर 2006 के दौरान पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई (पीओएल) के आयात में वृद्धि मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि के कारण हुई। अप्रैल-सितंबर 2006 के दौरान कच्चे तेल की औसत कीमत में (भारतीय बासकेट) 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मात्रा के हिसाब से, अप्रैल-जून 2006 के दौरान तेल के आयात में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इसकी तुलना में एक वर्ष पूर्व इसमें प्रतिशत की गिरावट हुई थीं।

तेल से इतर आयात की वृद्धि में अप्रैल-सितंबर 2006 के दौरान तेज़ी से गिरावट हुई और वह पिछले वर्ष के 49 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत हो गई (चार्ट 53)। इस गिरावट का कुछ कारण स्वर्ण और चांदी के आयात में कमी होना है जो अप्रैल-जून 2006 के दौरान 30 प्रतिशत तक कम हुआ है जबकि इसकी तुलना में पिछले वर्ष 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी (सारणी 47)। यह गिरावट, अन्य बातों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण की कीमतें बढ़ जाने से हुई है। आयात, मुख्य रूप से निर्यातजन्य मदें, जैसे, मोती, बेशकीमती तथा कीमती पत्थरों के आयात में अप्रैल-जून 2006 में अत्यधिक कमी हुई। पूंजीगत वस्तुओं ने वृद्धि की तीव्र गति को बनाए रखा (अप्रैल-जून 2006 में 38 प्रतिशत जबकि इसकी तुलना में एक वर्ष पूर्व 52 प्रतिशत) जिससे यह पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में निवेश की मांग लगातार बनी रही है।

**चार्ट 53 : भारत का तेल से इतर वस्तुओं का आयात**

देशवार, अप्रैल-जून 2006 के दौरान भारत के आयात का सबसे बड़ा स्रोत चीन रहा है जिसका भारत के कुल आयात में 8.9 प्रतिशत हिस्सा था, सऊदी अरेबिया का हिस्सा 8.0 प्रतिशत, अमरीका का 5.9 प्रतिशत और संयुक्त अरब अमीरात का हिस्सा 5.6 प्रतिशत था। क्षेत्रवार, विकासशील अर्थव्यवस्थाएं (तेल निर्यातक देशों को छोड़कर) प्रमुख स्रोत रही हैं जिनका भारत के कुल आयात में 32.5 प्रतिशत हिस्सा था। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के भीतर, पूर्वी एशियाई देश भारत के कुल आयात के सबसे बड़े स्रोत (25.3 प्रतिशत) थे।

**सारणी 47 : प्रमुख वस्तुओं का आयात**

| वस्तु समूह | बिलियन अमरीकी डॉलर | | | घटबढ़ (प्रतिशत) | |
|---|---|---|---|---|---|
| | 2005-06 | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 |
| | | अप्रैल-जून | | अप्रैल-जून | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| पीओएल | 44.0 | 9.4 | 13.7 | 31.0 | 44.9 |
| खाद्यतेल | 2.0 | 0.5 | 0.5 | -14.2 | 14.6 |
| खादें | 2.1 | 0.4 | 0.5 | 184.4 | 21.4 |
| लोहा और स्पात | 4.4 | 1.2 | 1.3 | 113.7 | 11.0 |
| भारी सामान | 31.7 | 6.9 | 9.5 | 52.4 | 37.8 |
| *जिसमें से :* | | | | | |
| क) कंप्यूटर सॉफ्टवेयर सहित इलैक्ट्रॉनिक वस्तुएं | 14.1 | 2.9 | 3.9 | 25.8 | 36.2 |
| ख) परिवहन उपस्कर | 3.2 | 0.7 | 1.0 | 118.3 | 45.5 |
| मोती, मूल्यवान और कम मूल्यवान रत्न | 9.1 | 2.7 | 1.8 | 59.1 | -34.1 |
| रसायन | 6.9 | 1.7 | 1.8 | 54.4 | 8.2 |
| स्वर्ण और चांदी | 11.2 | 4.3 | 3.0 | 52.1 | -30.3 |
| **कुल आयात** | **142.4** | **34.4** | **40.9** | **46.2** | **19.0** |
| *ज्ञापन* | | | | | |
| तेल से इतर आयात | 98.5 | 25.0 | 27.2 | 52.9 | 9.1 |
| स्वर्ण और चांदी को छोड़कर तेल से इतर आयात | 87.3 | 20.7 | 24.3 | 53.0 | 17.3 |
| मुख्यतः औद्योगिक आयात* | 81.0 | 19.3 | 22.6 | 54.8 | 17.1 |

* : स्वर्ण और चांदी, थोक उपभोक्ता माल, विनिर्मित खादें और विशेषज्ञों के काम आने वाले उपकरणों को घटाकर तेल से इतर वस्तुओं के आयात।

**स्रोत :** वाणिज्यिक आसूचना और अंक संकलन महानिदेशालय।

डीजीसीआइ एंड एस के आकड़ों के आधार पर, अप्रैल-सितंबर 2006 के दौरान व्यापार घाटा 10.5 प्रतिशत बढ़कर 24.6 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया जिसका मुख्य कारण तेल की आयात में वृद्धि थी (सारणी 48)। तेल से इतर व्यापार घाटा, वस्तुतः एक वर्ष पूर्व के 3.6 बिलियन अमरीकी डॉलर से अप्रैल-जून 2006 में 2.5 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

## *चालू खाता*

अदृश्य खाते में वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही के दौरान शुद्ध अधिशेष में तेज़ी बनी रही क्योंकि सॉफ़्टवेयर तथा कारोबारी सेवाओं के निर्यात और निजी अंतरण अधिक रहे है। अप्रैल-जून 2006 के दौरान सॉफ़्टवेयर सेवाओं का शुद्ध अधिशेष (5.9 बिलियन अ.डा.) अप्रैल-जून 2005 की तुलना में 22.5 प्रतिशत बढ़ गया, कारोबार एवं अन्य सेवाओं के अंतर्गत अधिशेष में तिगुने से अधिक 1.7 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई है (सारणी 49)। 5.8 बिलियन अमरीकी डॉलर के निजी अंतरण पिछले वर्ष से लगभग 5 प्रतिशत अधिक थे। निवेश और आय के संतुलन में घाटे की स्थिति बनी रही क्योंकि भारत की बाह्य देयताओं को पूरा करने से संबंधित किए जाने वाले भुगतान भारत की बाह्य आस्तियों पर होने वाली आय से अधिक रहे हैं। शेष रकम में, अदृश्य (सेवा, अंतरण तथा आय को मिलाकर) के अंतर्गत शुद्ध अधिशेष अप्रैल-जून 2005 के 10.0 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर अप्रैल-जून 2006 में 12.4 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

शुद्ध अदृश्य अधिशेष से अप्रैल-जून 2006 के दौरान वणिक व्यापार घाटे के बड़े हिस्से (67 प्रतिशत) का वित्तपोषण किया गया। तथापि, वणिक व्यापार घाटा अत्यधिक बढ़ जाने से,चालू खाते का घाटा अप्रैल-जून 2005 के 3.6 बिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 6.1 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया (सारणी 50)।

**सारणी 48 : भारत का पण्य व्यापार**

बिलियन अमरीकी डॉलर

| मद | 2004-05 | 2005-06 | 2005-06 | 2006-07 |
|---|---|---|---|---|
| | | | अप्रैल-सितंबर | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| निर्यात | 83.5 | 103.1 | 48.3 | 59.3 |
| आयात | 111.5 | 149.2 | 70.5 | 83.9 |
| तेल | 29.8 | 44.0 | 20.9 | 28.7 |
| तेल से इतर | 81.7 | 105.2 | 49.8 | 55.3 |
| व्यापार संतुलन | -27.9 | -46.1 | -22.3 | -24.6 |
| तेल से इतर वस्तुओं का व्यापार संतुलन | -5.1 | -13.6 | -3.6 * | -2.5 * |
| | | | | घटबढ़ (प्रतिशत) |
| निर्यात | 30.8 | 23.4 | 34.1 | 22.9 |
| आयात | 42.7 | 33.8 | 46.6 | 19.0 |
| तेल | 45.1 | 47.3 | 43.6 | 36.8 |
| तेल से इतर | 41.8 | 28.8 | 48.5 | 11.0 |

*: अप्रैल-जून

**स्रोत :** वाणिज्यिक आसूचना और अंक संकलन महानिदेशालय।

## *पूंजी प्रवाह*

भारत में वर्ष 2006-07 के दौरान अब तक पूंजी प्रवाह की मात्रा अधिक रही है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) अंतर्वाह (इनफ्लो) अप्रैल-अगस्त 2006 के दौरान 4.0 बिलियन अमरीकी डॉलर था जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 62 प्रतिशत अधिक था (सारणी 51)। एफ डी आइ अंतर्वाह में वृद्धि यह दर्शाती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है क्योंकि इसके सिद्धांत सुदृढ़ हैं तथा एफडीआइ नीति को युक्तिपरक एवं उदार बनाने तथा प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु की गई नीतिगत पहल प्रभावी रही है। एफडीआइ को मुख्यतया विनिर्माण, बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाओं में रखा गया है। भारत में एफडीआइ के प्रमुख स्रोत मॉरिशस, अमरीका और सिंगापुर रहे हैं।

**सारणी 49 : अदृश्य खाता (निवल)**

अमरीकी मिलियन डॉलर

| मद | 2005-06 प्रा. | 2005-06 | | | | 2006-07 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | अप्रैल-मार्च | अप्रैल-जून आंसं. | जुलाई-सितंबर. आंसं. | अक्तू.- दिसं.आंसं. | जन-मार्च प्रा. | अप्रैल-जून प्रा. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| सेवाएं | 22,265 | 5,372 | 6,139 | 4,432 | 6,322 | 7,575 |
| यात्रा | 1,368 | 178 | 250 | 432 | 508 | 79 |
| परिवहन | -1,117 | -169 | -96 | -409 | -443 | -260 |
| बीमा | 57 | 6 | 253 | -127 | -75 | 105 |
| सरकारी अन्यत्र अवर्गीकृत | -175 | -17 | -50 | -18 | -90 | -28 |
| सॉफ्टवेयर | 22,262 | 4,853 | 4,989 | 5,755 | 6,665 | 5,947 |
| अन्य सेवाएं | -130 | 521 | 793 | -1,201 | -243 | 1,732 |
| अंतरण | 24,276 | 5,503 | 4,990 | 6,436 | 7,347 | 5,735 |
| निवेश आय | -5,027 | -695 | -1,409 | -2,693 | -230 | -791 |
| कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति | -572 | -132 | -133 | -164 | -143 | -134 |
| **जोड़** | **40,942** | **10,048** | **9,587** | **8,011** | **13,296** | **12,385** |

आंसं : आंशिक रुप से संशोधित   प्रा. : प्रारंभिक।

## सारणी 50 : भारत का भुगतान संतुलन

(मिलियन अम. डॉलर)

| मद | 2005-06 प्रा. अप्रैल-मार्च | 2005-06 | | | | 2006-07 अप्रैल-जून प्रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अप्रैल-जून आंसं. | जुलाई-सितंबर आंसं. | अक्तूबर-दिसंबर आंसं. | जनवरी-मार्च प्रा. | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| निर्यात | 104,780 | 24,150 | 24,060 | 26,400 | 30,170 | 28,245 |
| आयात | 156,334 | 37,754 | 38,692 | 38,237 | 41,651 | 46,729 |
| व्यापार संतुलन | -51,554 | -13,604 | -14,632 | -11,837 | -11,481 | -18,484 |
| | (-6.5) | | | | | |
| अदृश्य प्राप्तियां | 91,481 | 19,686 | 19,832 | 24,024 | 27,939 | 24,138 |
| अदृश्य भुगतान | 50,539 | 9,638 | 10,245 | 16,013 | 14,643 | 11,753 |
| अदृश्य निवल | 40,942 | 10,048 | 9,587 | 8,011 | 13,296 | 12,385 |
| | (5.1) | | | | | |
| चालू खाता | -10,612 | -3,556 | -5,045 | -3,826 | 1,815 | -6,099 |
| | (-1.3) | | | | | |
| पूंजी खाता (निवल)* | 25,664 | 4,803 | 10,301 | -846 | 11,406 | 12,477 |
| | [31,164] @ | | | [4,654] @ | | |
| *जिसमें से :* | | | | | | |
| विदेशी प्रत्यक्ष निवेश | 5,733 | 1,198 | 1,086 | 1,412 | 2,037 | 1,727 |
| संविभागीय निवेश | 12,489 | 972 | 4,436 | 2,748 | 4,333 | -527 |
| बाह्य वाणिज्यिक | 1,591 | 1,091 | 1,758 | -4,281 | 3,023 | 3,560 |
| उधार $ | [7,091] @ | | | [1,219] @ | | |
| अल्पावधि व्यापार ऋण | 1,708 | -151 | 1,123 | 759 | -23 | 417 |
| बाह्य सहायता | 1,438 | 212 | 183 | 477 | 566 | 23 |
| अनिवासी भारतीय जमा | 2,789 | -108 | 341 | 881 | 1,675 | 1,231 |
| भंडार में परिवर्तन # | -15,052 | -1,247 | -5,256 | 4,672 | -13,221 | -6,378 |

प्रा : प्रारंभिक। आंसं : आंशिक संशोधन।
* : चूक-भूल सहित।
$ : मध्यावधि और दीर्घावधि उधार।
# : भुगतान संतुलन आधार पर (मूल्यांकन छोड़कर) ; (-) वृद्धि दर्शाता हैं।
@ : आइएमडी शोधन छोड़कर।
**टिप्पणी :** कोष्ठकों के आंकड़े सघउ का प्रतिशत हैं।

मई-जुलाई 2006 के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों का बहिर्वाह बना रहा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार की प्रवृत्तियों के अनुरूप घरेलू इक्विटी बाज़ार की स्थिति कमज़ोर रही। किंतु, अगस्त 2006 से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाज़ार में भारी खरीद की। कुल मिलाकर, विदेशी संस्थागत निवेशकों का कुल बहिर्वाह 2006-07 में अब तक (13 अक्तूबर 2006 तक) मामूली रहा है जो 29 मिलियन अमरीकी डॉलर था। सेबी में पंजीकृत विदेशी संस्थागत निवेशकों की संख्या मार्च 2006 के अंत में 882 से बढ़कर 20 अक्तूबर 2006 तक 973 हो गई। कार्पोरेट ने विदेश में एडीआर और जीडीआर के अत्यधिक निर्गम निकाले हैं और इस माध्यम से जुटाई गई राशि की अप्रैल-अगस्त 2006 में काफी मात्रा में थीं।

## सारणी 51 : पूंजी प्रवाह

(बिलियन अम. डॉलर)

| घटक | अवधि | 2005-06 | 2006-07 |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश | अप्रैल-अगस्त | 2,470 | 4,008 |
| विदेशी संस्थागत निवेश (निवल) | अप्रैल-अक्तूबर * | 4,682 | -29 |
| एडीआर/जीडीआर | अप्रैल-अगस्त | 568 | 1,547 |
| बाह्य सहायता (निवल) | अप्रैल-जून | 212 | 23 |
| बाह्य वाणिज्यिक उधार (निवल) (मध्यावधि और दीर्घावधि) | अप्रैल-जून | 1,091 | 3,560 |
| अल्पावधि व्यापार ऋण (निवल) | अप्रैल-जून | -151 | 417 |
| अनिवासी भारतीय जमा (निवल) | अप्रैल-अगस्त | 33 | 1,635 |

* 13 अक्तूबर तक।

बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) के माध्यम से जुटाई गई राशि अप्रैल-जून 2006 में पिछले वर्ष इसी अवधि की राशि से काफी अधिक थी जो अर्थव्यवस्था में निवेश की सुदृढ़ मांग के अनुरूप थी। तिमाही के दौरान ईसीबी में हुई अधिकांश वृद्धि में वाणिज्यिक बैंक ऋण और

विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों (एफसीसीबी) का हिस्सा था। एन आर आई जमा की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अप्रैल-अगस्त 2006 के दौरान वर्ष 2005 की इसी तिमाही के इनफ्लो से शुद्ध इनफ्लो अधिक था, जो यह दर्शाता है कि ब्याज दरें ऊंची रही हैं। एनआरई जमाराशियों पर ब्याज दर की उच्चतम सीमा नवंबर 2005 तथा अप्रैल 2006 में अमरीकी डॉलर + (प्लस) 100 आधार अंक की लिबोर/स्वैप दर की तुलना में 25 आधार अंक ऊपर रखी गई। एफसीएनआर (बैंक) जमाराशियों पर ब्याज दर की उच्चतम सीमा भी मार्च 2006 में ठसंबंधित करेंसी/परिपक्वता हेतु लिबोर/स्वैप दरड से लिबोर/स्वैप दर (माइनस) 25 आधार अंक की तुलना में 25 आधार अंक ऊपर रखी गई।

## विदेशी मुद्रा भंडार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 20 अक्तूबर 2006 को 166.2 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जिसमें मार्च 2006 के अंत के स्तर की तुलना में 14.5 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई है (सारणी 52)। भंडार में यह वृद्धि मुख्यतया विदेशी करेंसी आस्तियों से मार्च 2006 के अंत में 145.1 बिलियन अमरीकी डॉलर तथा 20 अक्तूबर 2006 में 159.3 बिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि के कारण हुआ है।

उदीयमान बाजार अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक विदेशी मुद्रा का भंडार रखने में भारत का पांचवां स्थान है। हाल के वर्षों में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंध का जो समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया है उससे भुगतान संतुलन के बदलते समीकरण तथा विभिन्न प्रकार के प्रवाह एवं अन्य अपेक्षाओं से जुड़े 'चलनिधि जोखिम' का पता चलता है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सहज स्तर पर बना रहा है और विकास दर, अर्थव्यवस्था के बाह्य क्षेत्र में हिस्सा तथा जोखिम-समायोजन पूंजी प्रवाह के आकार के अनुरूप रहा है।

### सारणी 52 : विदेशी मुद्रा भंडार

(अमरीकी मिलियन डॉलर)

| माह के अंत में | स्वर्ण | एसडी-आर | विदेशी करेंसी आस्तियां | आइएमएफ में आरक्षण स्थिति | जोड़ (2+3+4+5) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| मार्च 1995 | 4,370 | 7 | 20,809 | 331 | 25,517 |
| मार्च 2000 | 2,974 | 4 | 35,058 | 658 | 38,694 |
| मार्च 2005 | 4,500 | 5 | 135,571 | 1,438 | 141,514 |
| मार्च 2006 | 5,755 | 3 | 145,108 | 756 | 151,622 |
| अप्रैल 2006 | 6,301 | 6 | 153,598 | 772 | 160,677 |
| मई 2006 | 7,010 | – | 156,073 | 785 | 163,868 |
| जून 2006 | 6,180 | – | 155,968 | 764 | 162,912 |
| जुलाई 2006 | 6,557 | 7 | 157,247 | 766 | 164,577 |
| अगस्त 2006 | 6,538 | 1 | 158,938 | 767 | 166,244 |
| सितंबर 2006 | 6,202 | 1 | 158,340 | 762 | 165,305 |
| अक्तूबर 2006 * | 6,202 | 1 | 159,304 | 646 | 166,153 |

- : नगण्य
* : 20 अक्तूबर 2006 को।

## विदेशी कर्ज

वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही में भारत का बाहरी कर्ज जून 2006 के अंत में 6.9 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 132.1 बिलियन अमरीकी डालर हो गया तिमाही के दौरान यह वृद्धि मुख्य रूप से बाहय वाणिज्यिक उधार के कारण थी जिसमें 5.4 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई है, जो यह दर्शाती है कि घरेलू स्तर पर निवेश गतिविधियां सुदृढ़ रही हैं। एन आर आई जमाराशियों में हुई वृद्धि, अन्य बातों के साथ-साथ एनआरई मीयादी जमाराशियों पर वृद्धिशील ब्याज दरों के कारण रही है। बाह्य कर्ज की बढ़ी हुई मात्रा के होते हुए भी, विभिन्न स्थायित्व संकेतकों से पता चलता है कि भारत के बाहरी कर्ज की स्थिति में लगातार सुधार हुआ है। कुल कर्ज की तुलना में अल्पकालीन कर्ज का अनुपात जून 2006 के अंत में 7.0 प्रतिशत था जो मार्च 2006 के अंत में भी इतना ही था, जबकि भंडार की तुलना में अल्पकालीन कर्ज के अनुपात में 5.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट हुई है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इसके बाह्य कर्ज से 30.8 बिलियन अमरीकी डॉलर अधिक है जो जून 2006 के अंत की स्थिति के अनुसार बाह्य कर्ज के 123.3 प्रतिशत को पूरा करने के लिए काफी है (सारणी 53)।

### सारणी 53 : भारत का विदेशी ऋण

(अमरीकी मिलियन डॉलर)

| मद | मार्चांत 1995 | मार्चांत 2005 | मार्चांत 2006 | जून 2006 के अंत में |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. बहुपक्षीय | 28,542 | 31,702 | 32,558 | 33,105 |
| 2. द्विपक्षीय | 20,270 | 16,930 | 15,784 | 15,833 |
| 3. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष | 4,300 | 0 | 0 | 0 |
| 4. व्यापार ऋण | 6,629 | 4,980 | 5,326 | 5,455 |
| 5. बाह्य वाणिज्यिक उधार | 12,991 | 27,024 | 25,560 | 30,975 |
| 6. अनिवासी भारतीय जमा | 12,383 | 32,743 | 35,134 | 35,651 |
| 7. रुपया ऋण | 9,624 | 2,301 | 2,031 | 1,915 |
| 8. दीर्घावधि (1 से 7) | 94,739 | 1,15,680 | 1,16,393 | 1,22,934 |
| 9. अल्पावधि | 4,269 | 7,524 | 8,788 | 9,196 |
| **कुल** | **99,008** | **1,23,204** | **1,25,181** | **1,32,130** |
| ज्ञापन : | | | | (प्रतिशत) |
| कुल ऋण / सघउ | 30.8 | 17.3 | 15.8 | .. |
| अल्पावधि / कुल ऋण | 4.3 | 6.1 | 7.0 | 7.0 |
| अल्पावधि ऋण / भंडार | 16.9 | 5.3 | 5.8 | 5.6 |
| रियायती ऋण / कुल ऋण | 45.3 | 33.3 | 31.5 | 30.2 |
| भंडार / कुल ऋण | 25.4 | 114.9 | 121.1 | 123.3 |
| ऋण शोधन अनुपात* | 25.9 | 6.1 | 10.2 | .. |

*: राजकोषीय वर्ष से संबंधित है।

## *अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति*

भारत की अंतरराष्ट्रीय आस्तियों में मार्च 2006 को समाप्त वर्ष के दौरान 14.2 अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई, जो मुख्यतया प्रारक्षित आस्तियों में वृद्धि से हुई है। विदेश में भारत के सीधे निवेश का बढ़ता रुझान रहा है, जो यह दर्शाता है कि विदेशी बाज़ारों में भारतीय कंपनियों के निवेश करने की दिलचस्पी बढ़ी है। देश की अंतरराष्ट्रीय देयता में वर्ष 2005-06 के दौरान 20.0 बिलियन अमरीकी डॉलर का विस्तार हुआ है जो संविभाग और सीधे निवेश के द्वारा हुआ है। चूंकि वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय देयता, अंतरराष्ट्रीय आस्ति से अधिक थी इसलिए भारत की अंतरराष्ट्रीय देयता में लगभग 6 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई है जो यह दर्शाती है कि चालू खाता घाटे में वृद्धि हुई है। भारत की शुद्ध अंतरराष्ट्रीय देयता मार्च 2006 के अंत में जीडीपी की तुलना में 4.6 प्रतिशत थी जो एक वर्ष पूर्व के प्रतिशत से थोड़ा अधिक थी, किंतु मार्च 2003 के अंत की स्थिति से लगभग डेढ़ गुना कम थी (सारणी 54)।

**सारणी 54 : भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति**

(अमरीकी बिलियन डॉलर)

| मद | मार्च 2003 | मार्च 2004 | मार्च 2005 | मार्च 2006 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| **क. आस्तियां** | **95.6 (20.2)** | **137.8 (23.5)** | **168.9 (26.0)** | **183.1 (25.5)** |
| 1. प्रत्यक्ष निवेश | 5.8 | 7.8 | 10.1 | 12.1 |
| 2. संविभागीय निवेश | 0.8 | 0.8 | 0.8 | 1.3 |
| 2.1 ईक्विटी प्रतिभूतियां | 0.4 | 0.4 | 0.4 | 0.7 |
| 2.2 ऋण प्रतिभूतियां | 0.4 | 0.4 | 0.4 | 0.6 |
| 3. अन्य निवेश | 12.9 | 16.3 | 16.5 | 18.2 |
| 3.1 व्यापार ऋण | 1.1 | 1.9 | 2.8 | 1.0 |
| 3.2 ऋण | 1.4 | 1.8 | 1.9 | 2.6 |
| 3.3 करेंसी तथा जमाराशियां | 7.5 | 9.5 | 8.4 | 11.2 |
| 3.4 अन्य आस्तियां | 2.9 | 3.2 | 3.4 | 3.5 |
| 4. आरक्षित आस्तियां | 76.1 (16.0) | 113.0 (19.3) | 141.5 (21.8) | 151.6 (21.1) |

| मद | मार्च 2003 | मार्च 2004 | मार्च 2005 | मार्च 2006 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| **ख. देयताएं** | **156.1 (32.9)** | **183.1 (31.3)** | **209.2 (32.2)** | **229.2 (31.9)** |
| 1. प्रत्यक्ष निवेश | 31.2 (6.6) | 38.2 (6.5) | 43.6 (6.7) | 50.3 (7.0) |
| 2. संविभागीय निवेश | 32.4 (6.8) | 43.7 (7.5) | 55.3 (8.5) | 63.4 (8.8) |
| 2.1 ईक्विटी प्रतिभूतियां | 20.1 | 33.9 | 42.7 | 54.3 |
| 2.2 ऋण प्रतिभूतियां | 12.3 | 9.8 | 12.5 | 9.0 |
| 3. अन्य निवेश | 92.4 (19.5) | 101.3 (17.3) | 110.3 (17.0) | 115.6 (16.1) |
| 3.1 व्यापार ऋण | 4.9 | 6.3 | 9.6 | 10.5 |
| 3.2 ऋण | 61.1 | 61.9 | 65.8 | 67.8 |
| 3.3 करेंसी तथा जमाराशियां | 25.6 | 32.2 | 33.6 | 36.2 |
| 3.4 अन्य आस्तियां | 0.9 | 0.9 | 1.4 | 1.1 |
| **ग. निवल स्थिति (क-ख)** | **-60.5 (-12.7)** | **-45.3 (-7.7)** | **-40.3 (-6.2)** | **-46.1 (-6.4)** |

**टिप्पणी :** कोष्ठक में दिए गए आंकड़े सघउ का प्रतिशत दर्शाते हैं।